>

Title: Need to develop carpet industry by its inclusion into the list of micro

and small industries under Khadi Village Industry (KVI).

श्री गोरखनाथ पाण्डेय (भदोही): महोदय, देश में कालीन उद्योग के निर्यात एवं उत्पादन में भारी गिरावट आयी है। यह उद्योग विशेषकर देश के ग्रामीणांचलों में कुटीर उद्योग के रूप में चल रहा है। परन्तु पिछले दशक में इस उद्योग में बालश्रम का उपयोग किए जाने के नाम पर इसकी छवि धूमिल की जा रही है, विदेशों में भारत के कालीन को चाइल्ड लेबर से जोड़कर इस उद्योग को प्रभावित किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश के भदोही तथा मिर्जापुर जिले इस उद्योग से भारी विदेशी मुद्रा अर्जित करते हैं जिसमें भारी गिरावट आयी है। प्रदेश में बेरोजगारी बढ़ी है जिस कारण लाखों परिवार जो इस उद्योग से जुड़े रहे हैं, वह भुखमरी के कगार पर आ गए हैं।

अतः मेरा सदन के माध्यम से केन्द्र सरकार से अनुरोध है कि सरकार देश के ग्रामीणांचल से जुड़े कुटीर उद्योग को बचाने तथा इस उद्योग से जुड़े लोगों एवं उनके परिवारों को भुखमरी से बचाने के लिए उक्त उद्योग को खादी ग्रामोद्योग के साथ जोड़कर इसे सूक्ष्म लघु उद्योग मे सम्मिलत कर विकसित किया जाए।

MR. CHAIRMAN (SHRI FRANCISCO COSME SARDINHA): Shri Viswa Mohan Kumar – not present.

Shri D. Venugopal – not present.

Shri P. Karunakaran.